PAPER-III ARCHAEOLOGY

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature)	
(Name)	Roll No.
2. (Signature)	(In figures as per admission card)
(Name)	
	Roll No
J 6 7 1 1	(In words)

Time : $2^{1}/_{2}$ hours] [Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet: 32

Instructions for the Candidates

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

Number of Ouestions in this Booklet: 19

- 1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- 2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये । इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है .
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मृल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- 6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाईट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- िकसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

J-67-11 P.T.O.

ARCHAEOLOGY पुरातत्त्व विज्ञान

PAPER – III प्रश्नपत्र – III

Note: This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थि इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें।

SECTION – I

खण्ड 🗕 🛚

Note: This section consists of two essay type questions of twenty (20) marks each, to be answered in about five hundred (500) words each. $(2 \times 20 = 40 \text{ marks})$

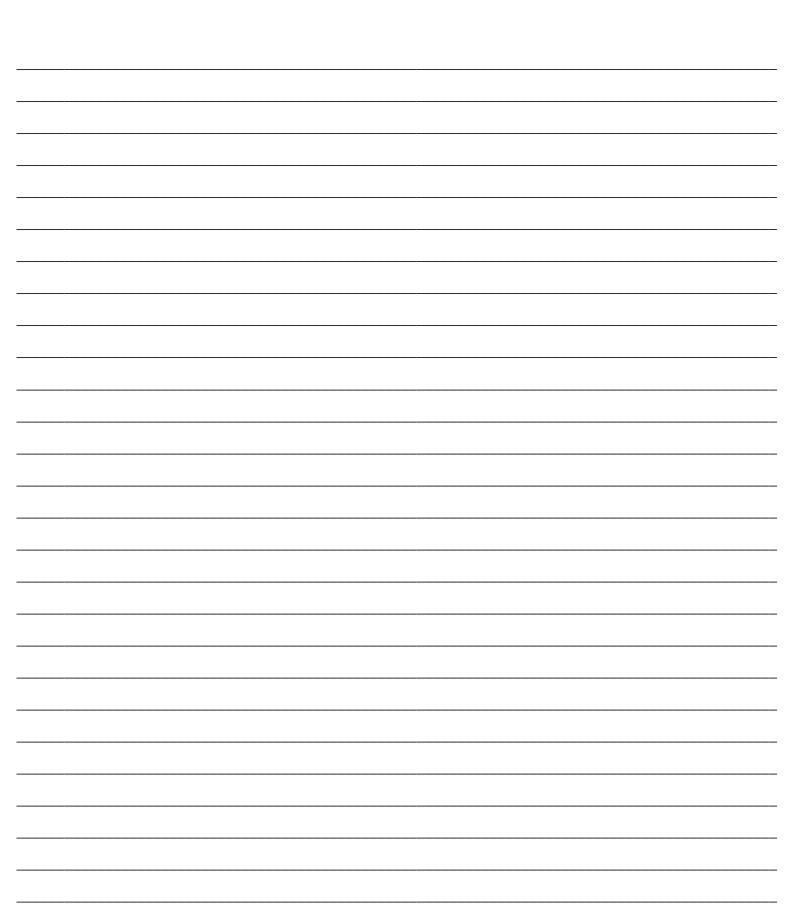
नोट: इस खंड में बीस-बीस अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग पाँच सौ (500) शब्दों में अपेक्षित है । $(2 \times 20 = 40 \text{ sim})$

1. Discuss the chronology of Palaeolithic culture in the Indian Subcontinent. भारतीय उपमहाद्वीप में पुरापाषाण संस्कृतियों के कालक्रम की विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

Discuss the diverse agricultural practices and crops during the Mature Harappan period.

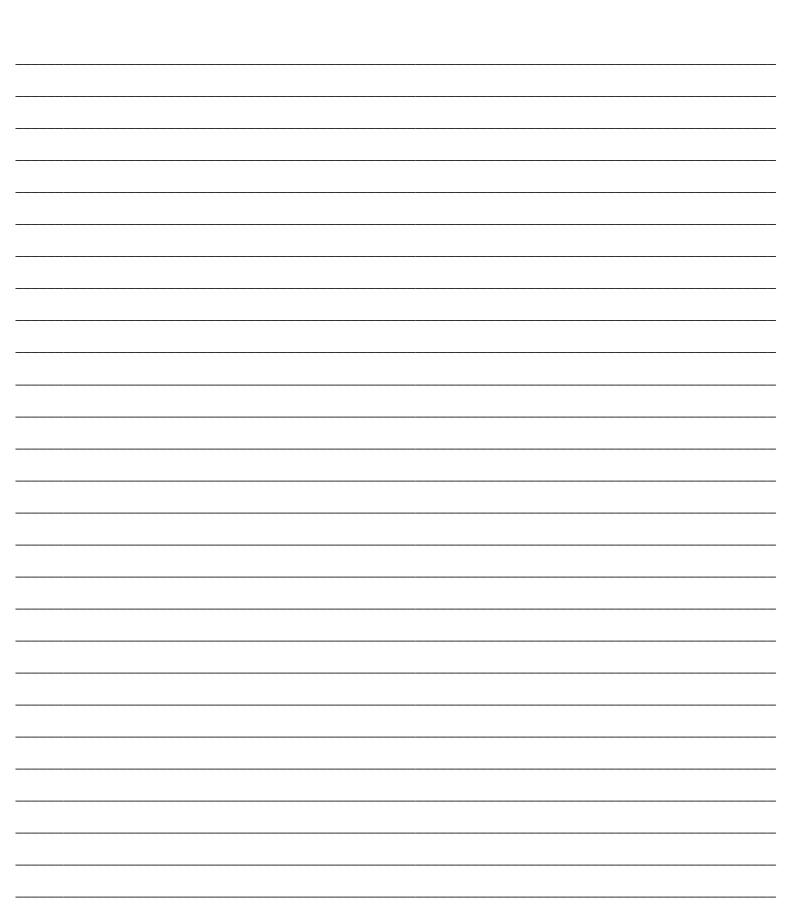
विकसित हड़प्पा काल के विभिन्न कृषि कार्य और फसलों की विवेचना कीजिए ।





2.	Discuss critically the Archaeological sources for the study of Indian History. भारतीय इतिहास के अध्ययन में पुरातात्त्विक साक्ष्यों का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए । OR / अथवा Discuss the techniques of manufacturing coins in India. भारत में मुद्राओं के निर्माण की विधियों की विवेचना कीजिए ।

J-67-11 7 P.T.O.



SECTION – II खण्ड – II

Note: This section contains **three** (3) questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the **three** questions contained therein. Each question carries **fifteen** (15) marks and is to be answered in about **three hundred** (300) words. $(3 \times 15 = 45 \text{ marks})$

नोट: इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से तीन (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग तीन सौ (300) शब्दों में अपेक्षित है ।

 $(3 \times 15 = 4)$

Elective – I विकल्प – I

- 3. Describe the Lower Palaeolithic excavations in the Hunsgi valley, Southern India. दक्षिण भारत के हसंगी घाटी में निम्न पुरापाषाण कालीन उत्खननों का वर्णन कीजिए ।
- 4. Trace the development of Vindhyan Neolithic Culture. विन्ध्य के नवपाषाण कालीन संस्कृति के विकास का उल्लेख कीजिए ।
- 5. Discuss the characteristic types of megalithic burials in India. भारत में वृहत्पाषाणिक शवाधानों के प्रकारों की विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा Elective – II विकल्प – II

- 3. Underline the main features of the Harappan agriculture. हड़प्पाकालीन कृषि की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।
- 4. Write a note on the Black and Red ware Culture in the Ganga Valley. गंगाघाटी की काले और लाल रंग के मुद्भाण्ड संस्कृति पर एक टिप्पणी लिखिए ।
- 5. Write a note on the Ochre Coloured Pottery and its settlements. गेरू लेपित मृदभाण्ड और इसके पुरास्थलों पर एक टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा Elective – III विकल्प – III

- 3. Highlight the importance of Kausambi excavations. कौशाम्बी उत्खनन के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।
- 4. Give an account of the main features of Kushana material culture. कुषाणकालीन भौतिक संस्कृति की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए.
- 5. Comment on Gupta period as a golden age. गुप्त काल स्वर्ण युग था, स्पष्ट करें।

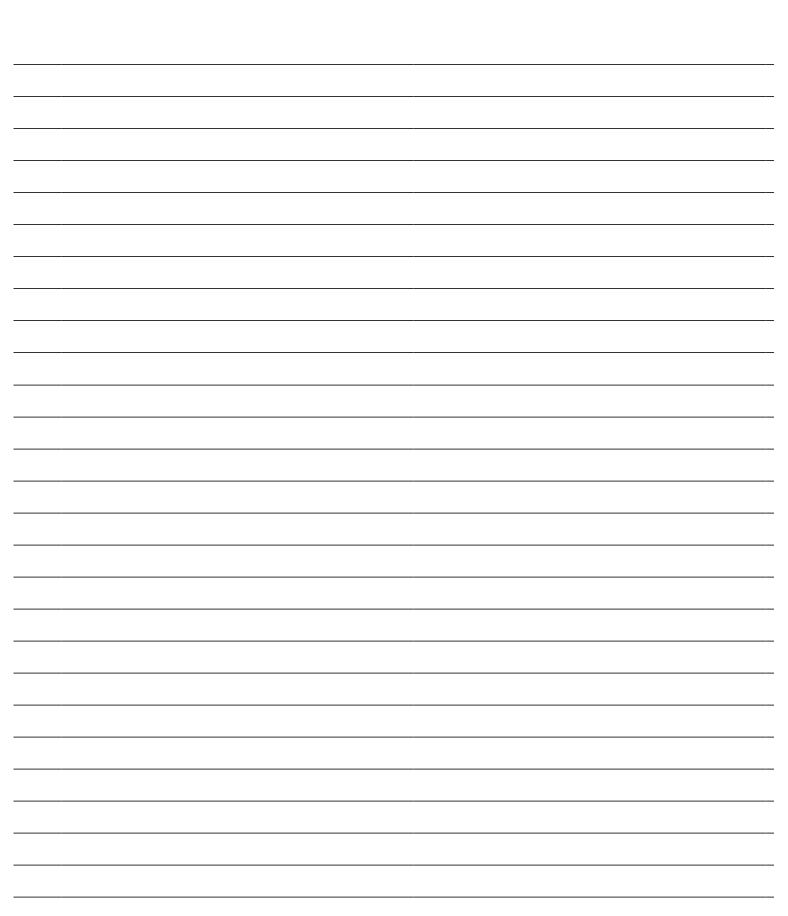
OR / अथवा

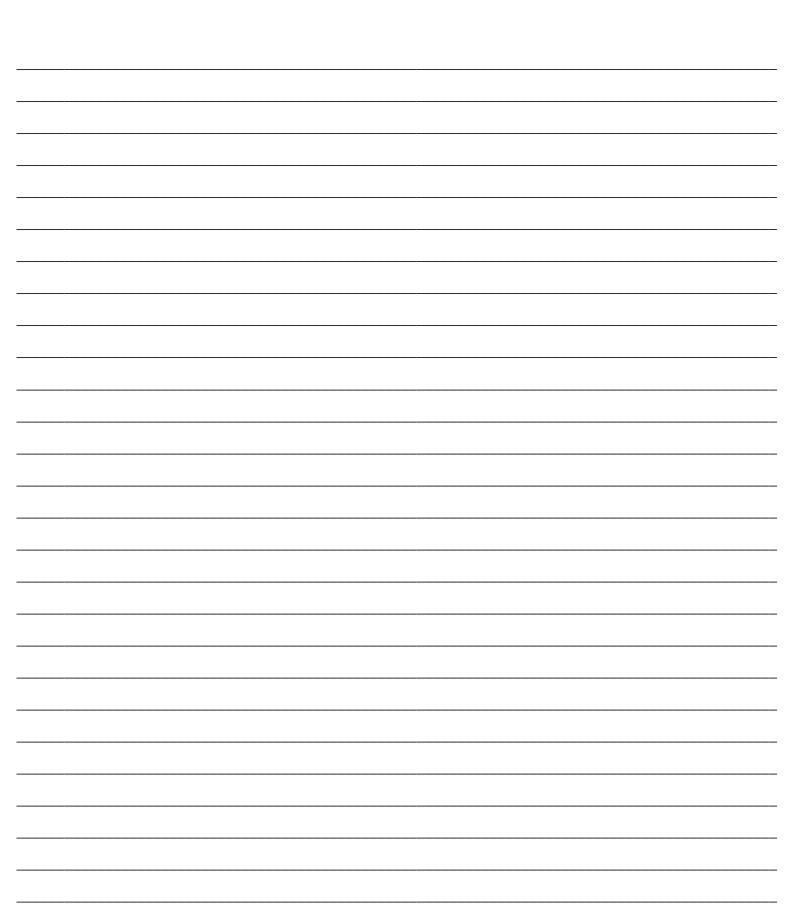
Elective – IV विकल्प – IV

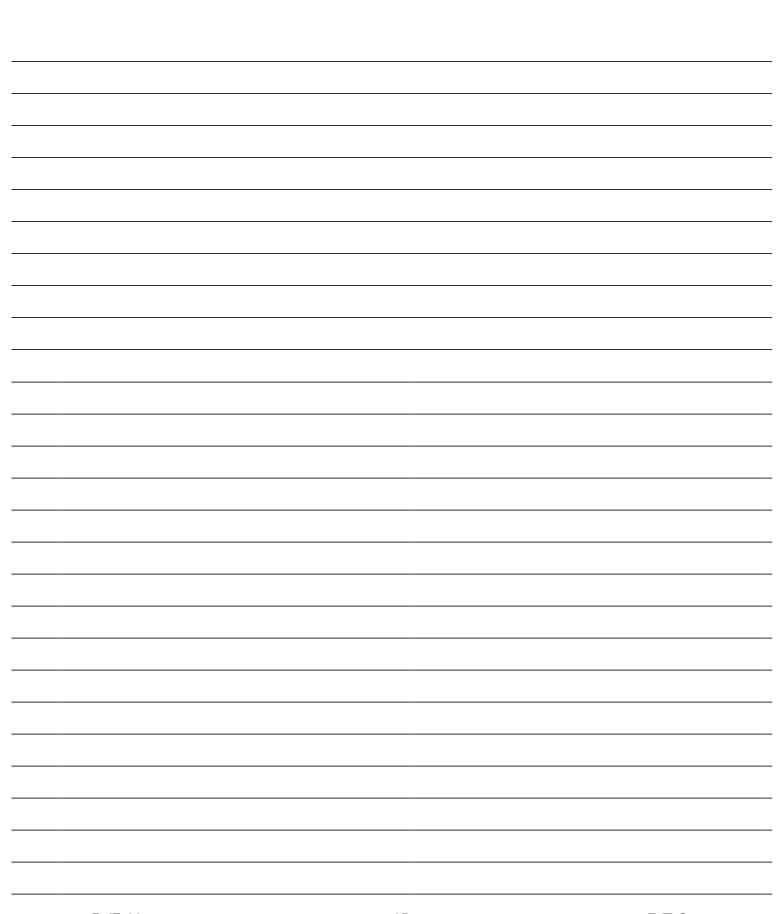
- 3. Write a critical note on Gandhara School of Art. गंधार कला शैली पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
- 4. Describe the techniques of Ajanta Paintings. अजंता चित्रकला की तकनीकों का वर्णन कीजिए।
- 5. Discuss the characteristics of Sanchi Stupa. सांची स्तृप की विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

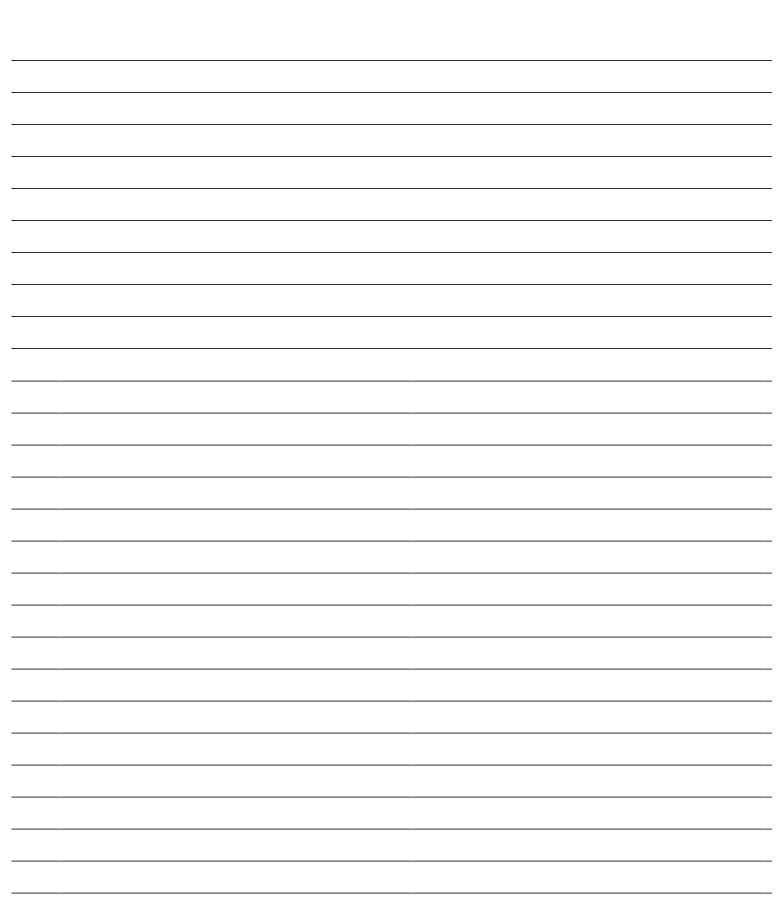
OR / अथवा Elective – V विकल्प – V

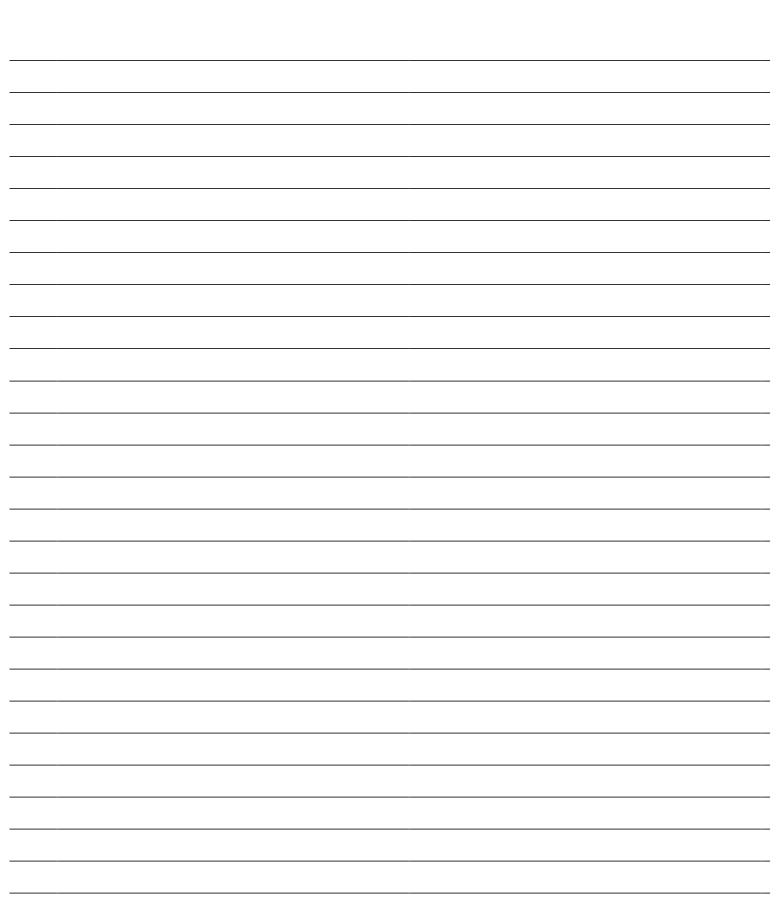
- 3. Discuss the origin of Brahmi Script. ब्राह्मी लिपि के उद्भव की विवेचना कीजिए ।
- 4. Discuss the importance of Hathigumpha inscription of King Kharavela. खारवेल के हाथी गुफा अभिलेख के महत्त्व की विवेचना कीजिए ।
- 5. Write a note on Samudra Gupta's gold coins. समुद्रगुप्त के स्वर्ण मुद्राओं पर एक टिप्पणी लिखिए ।











	SECTION – III खण्ड – III
Note	This section contains nine (9) questions of ten (10) marks, each to be answered in about fifty (50) words. $(9 \times 10 = 90 \text{ marks})$
नोट :	इस खंड में दस-दस (10-10) अंकों के नौ (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में
	अपेक्षित है । $(9 \times 10 = 90 \text{ sian})$
6.	Highlight the importance of stratigraphy the archaeological excavations. पुरातात्त्विक उत्खननों में स्तर विन्यास के महत्त्व को उजागर करें ।

7.	Explain in brief the method of thermoluminescence dating. ऊष्मादीप्ति तिथि की विधि की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

8.	Write a note on archaeo-botany. पुरा वनस्पति पर एक टिप्पणी लिखिए ।
9.	Discuss Harappan contacts with the outside world. विश्व के अन्य क्षेत्रों के साथ हड़प्पा वासियों के सम्बन्धों की विवेचना कीजिए ।

10.	Write an essay on the Megalithic culture. वृहत्पाषाणिक संस्कृति पर एक निबन्ध लिखिए ।

11.	Discuss the importance of Pallava (Pandava) Rathas at Mahabalipuram. महाबलीपुरम के पल्लव रथों के महत्त्व की विवेचना कीजिए ।

12.	Discuss briefly the importance of Besanagar garuda pillar inscription. बेसनगर गरूड़ स्तम्भ लेख के महत्त्व की संक्षेप में विवेचना कीजिए ।
13.	Write a note on Khajuraho temples. खजूराहो के मंदिरों पर एक टिप्पणी लिखिए ।

1.4	
14.	Write a critical note on Punch Marked coins. आहत मुद्राओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
14.	Write a critical note on Punch Marked coins. आहत मुद्राओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
14.	Write a critical note on Punch Marked coins. आहत मुद्राओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
14.	Write a critical note on Punch Marked coins. आहत मुद्राओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
14.	Write a critical note on Punch Marked coins. आहत मुद्राओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
14.	Write a critical note on Punch Marked coins. आहत मुद्राओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
14.	Write a critical note on Punch Marked coins. आहत मुद्राओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
14.	Write a critical note on Punch Marked coins. आहत मुद्राओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
14.	Write a critical note on Punch Marked coins. आहत मुद्राओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
14.	Write a critical note on Punch Marked coins. आहत मुद्राओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
14.	Write a critical note on Punch Marked coins. आहत मुद्राओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।

SECTION – IV खण्ड – IV

Note: This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ marks})$

नोट: इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है । $(5 \times 5 = 25 \text{ अंक})$

There are many indications that by the Mature Indus period urban society had evolved considerable social stratification and division. The varied and often highly specialized crafts alone indicate this, and some scholars have seen in the variations of house sizes and the localization of blocks and barrack-like dwellings further evidence of class divisions, perhaps even amounting to slavery. Whether we should speak of class divisions, or rather of something akin to the later caste system, is also worthy of consideration. In addition to craft specialists and artisans there must have been an agricultural population, whether living wholly in villages or also in part living in the 'cities'. There must also have been a ruling group who have generally been supposed to have combined the roles of administrators and priests. Further, there is growing evidence of the extent and variety of trade. First, there are the 'granaries' or warehouses at Harappa, Mohenjo-daro and Lothal, implying great concentrations of wealth. Next, there is the evidence of unprecedented trade in goods produced within the Indus culture region, such as stone, metal, shell, etc. Thirdly, there is the evidence of very widespread trade with distant parts, both in the form of exports to Mesopotamia and of the trading 'colony' at Shortughai, in northern Afghanistan, and in the form of other exotic imports. As we have seen, this aspect was already extremely old, and contacts with Central Asia for such purposes already went back several thousand years, to the pre-ceramic Neolithic of the western borderlands. In the new context of the Indus civilization it was evidently more sophisticated and more highly organized than ever before. This is shown by the presence of regulated weights and measures, and of a script which was evidently used for trading purposes, as were the elaborate and well-made seals.

ऐसे कई संकेत मिलते हैं कि विकिसत सैंधव काल में नगरीय समाज था जो कई सामाजिक स्तरों में विभाजित हो चुका था । विविध और अक्सर अित विशिष्ट शिल्प केवल यही इंगित करते हैं, और कुछ विद्वानों ने भी घर के आकार की विविधताओं और ब्लॉक और बैरक की तरह के आवासों के आधार पर वर्ग विभाजन को देखा है, शायद यहाँ दासता भी थी । क्या हमें वर्ग-विभाजन की बात करनी चाहिए या बाद की जाित व्यवस्था की तरह ही कुछ था, यह विचारणीय है । शिल्प विशेषज्ञों और कारीगरों के साथ कृषक आबादी भी होगी, चाहे वह पूरी तरह गांव में रहते होंगे या उनमें से कुछ शहरों में रहते होंगे । यह भी माना जा सकता है कि वहाँ एक सत्तारूढ़ वर्ग होगा जो सामान्यत: प्रशासकों और पुजारियों की भूमिका से संयुक्त होंगे । इसके अलावा वहाँ उभरते हुए व्यापार के प्रमाण भी मिले हैं । प्रथमत:, हड़प्पा, मोहेनजोदड़ो और लोथल से अनाज संग्रह के भंडार या गोदाम का मिलना उसके धन संग्रह को दर्शाता है । आगे, सिंधु सभ्यता क्षेत्र से सामग्रियों के व्यापार में अभूतपूर्व वृद्धि हुई जैसे,

पत्थर, धातु, शैल इत्यादि । तीसरा, सुदूरवर्ती क्षेत्रों से विस्तृत व्यापार का प्रमाण मिलता है जिनमें मेसोपोटामिया को निर्यात और शोर्तुघई, उत्तरी अफगानिस्तान में व्यापारिक कॉलनी और विदेशज सामग्रियों के आयतों के रूप में प्रमाण मिलता है । जैसा कि हमने देखा है, पश्चिमी सीमांत क्षेत्र में हजारों वर्ष पूर्व अमृद्भाण्डीय नवपाषाणिक काल के समय से ही मध्य एशिया के साथ इस प्रकार प्रयोजनों के लिए संपर्क था । नए संदर्भ में सिंधु सभ्यता काफी परिष्कृत और काफी व्यवस्थित थी । विनियमित बाट और माप की मौजूदगी, और एक लिपि व्यापारिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया गया था, उसी भाँति वृहत और अच्छी मोहरें बनाई ।

15.	Discuss the mature Harappan social structure.
	परिपक्व हड़प्पा के सामाजिक संरचना की विवेचना कीजिए ।
16.	Describe the evidence for Harappan Craft specialization.
	हड़प्पा के शिल्प विशेषज्ञता के साक्ष्यों का वर्णन कीजिए ।

17.	Explain the relationship between the Harappan granaries and crop diversity. हड़प्पा सभ्यता के अन्नागारों और फसलों की विभिन्नता के संबंधों की व्याख्या कीजिए ।
18.	Highlight the importance of Weights and Seals for reconstructing Harappan trades. हड़प्पाकालीन व्यापार को स्थापित करने में बाट और मुहरों के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

 	
19.	Underline the necessity for Harappan external trade. हड़प्पाकालीन बाह्य व्यापार की आवश्यकताओं को रेखांकित कीजिए ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY				
Marks	Marks Obtained			
Question	Marks			
Number	Obtained			
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				

Total Marks Obtained (in words)			
(in figures)			
Signature & Name of the Coordinator			
(Evaluation)	Date		